>

Title: Damage caused by flood in Khiri Parliamentary Constituency, Uttar Pradesh.

श्री अजय मिश्रा टेनी (खीरी) : माननीय सभापति महोदय, मैं खीरी लोक सभा क्षेत्र, जो उत्तर प्रदेश में है, से चुना गया हूँ। यह बाढ़ से प्रभावित क्षेत्र है। नेपाल का सीमावर्ती क्षेत्र होने के कारण नेपाल की मोहाना, घेरूआ, करनाली इत्यादि ऐसी नदियाँ हैं, जिनके कारण इस क्षेत्र में भारी कटाव और बाढ़ के कारण बहुत सारे लोगों के घर भी बह जाते हैं। यह क्षेत्र कृषि प्रधान क्षेत्र है और यहाँ की आर्थिक स्थिति खेती पर ही निर्भर करती है। धान और गन्ना यहाँ की मुख्य फसल है। हमने बाढ़ से संबंधित बहुत सारे मसले प्रदेश सरकार के सामने उठाये। लेकिन उत्तर प्रदेश सरकार ने उस पर कोई ध्यान नहीं दिया। नेपाल के लोगों ने अपनी तरफ बंधा बना लिया है जिसके कारण हर बरसात में, जहाँ हम सब लोग आज मानसून के लिए परेशान हैं, बरसात नहीं हो रही है, वहीं हमारे क्षेत्र के लोग बाढ़ से आशंकित हैं कि बाढ़ फिर से आने वाली है। फिर से खेतों का कटाव होगा और फसलों का नुकसान होगा। उसके साथ-साथ धान और गन्ना जो इस क्षेत्र की मुख्य फसल है, वह बाढ़ के कारण दागी हो जाता है। जो सरकारी क्रय-केन्द्रों पर भी नहीं खरीदा जाता है। जो चावल मिल के लोग होते हैं, चूंकि दागी चावल भी एफ.सी.आई. नहीं खरीदती है, उसके कारण उनका धान भी नहीं बिक पाता है। गन्ना जो बिकता है, उसका भुगतान प्राप्त नहीं होता है। नौ बड़ी चीनी मिलें मेरे लोक सभा क्षेत्र में लगी हैं। इस समय तक उन तीन चीनी मिलों पर, जो बज़ाज की चीनी मिलें हैं, उन पर 15018.65 लाख रुपए बलिया चीनी मिल पर, गोला चीनी मिल पर 23,449 लाख रुपए और खम्बार खेड़ा मिल पर 15,650 लाख रुपए, कुल मिलाकर 54, 119 लाख रुपए बाकी हैं। किसानों की हालत खराब हो चुकी है। खेत कट रहे हैं। घर गिर रहे हैं। बाढ़ में फसलों का नुकसान हो रहा है। धान की बिक्री नहीं हो पा रही है और गन्ने की फसल जो बिकी है उसके दाम नहीं मिल पा रहे हैं। किसान की जेब खाली है। बच्चों के स्कूल की फीस नहीं जमा हो पा रही है। परिवार के लिए भोजन इकट्ठा नहीं हो पा रहा है। भरण-पोषण की व्यवस्था नहीं हो पा रही है। इसलिए किसानों में बेहद हताशा और निराशा है। मैं आपके माध्यम से सरकार का ध्यान आकृष्ट करना चाहता हूं कि इस पर ध्यान दे और इस पर सदन में चर्चा भी हो।

HON. CHAIRPERSON : The House stands adjourned to meet tomorrow at eleven of the Clock.

<u>19.10 hrs</u>

The Lok Sabha then adjourned till Eleven of the Clock

on Thursday, July 10, 2014/Ashadha 19, 1936 (Saka) .

---

* The sign + marked above the name of a Member indicates that the Question was actually asked on the floor of the House by that Member.

* Not recorded.

* Not recorded.